प्रिय भाइयों और बहनों,

आपको तथा आपके परीवारोंको दिवाली तथा नये सालकी हार्दिक शुभकामनाएं ।

DEFOI का यह तिसरा समाचार पत्र है और पहले दोनो समाचार पत्र आपके लिए खासी जानकारी देनेवाले रहे है यह बात हमे आपके इस बारेमे हमतक पहुंचे अभिप्रायोंसे ज्ञात होती है ।

बेंगलोरमे संपन्न हुई दक्षिणी क्षेत्रकी विभागीय सभा :

यह सभा 17 तथा 18 जुलाई 2010 को बेंगलोरमे संपन्न हुई । कर्नाटक तथा आंध्रप्रदेशसे कुल 34 प्रतिनिधी यहां उपस्थित रहे जिनमे कर्नाटकसे 5 महिलाएंभी शामील है । सभाका उद्घाटन BAMUL के व्यवस्थापकीय संचालक डॉ एम एन वेंकटरमनने किया ।

ठेका मजदूरोंके महत्वपूर्ण मुद्दे पर गंभीरतासे चर्चा हुई जैसीकी कॅंसर जैसी फैलनेवाली तथा युनियनको अंदरसे कमजोर करते हुए उसकी बहसकी ताकद तथा मजबूती कम करनेवाली इस समस्यापर मात कैसे की जा सकती है ।
निजी क्षेत्रमे उत्पादनमे ज्यादातर ठेका मजदुरही लगाये जाते है तथा सहकार क्षेत्रको इन निजी क्षेत्रके उत्पादकोंसे स्पर्धा करनी होती है इस स्पर्धामे टिके रहनेकी जरुरतके बहाने सहकार क्षेत्रमेभी ठेका मजदूरोंकी तादाद बढती जा रही
है ।
इससे युनियनपर हो रहे बुरे असरमे अहम है उनकी बहसकी ताकद बुरी तरहसे घट चुकी है तथा बहसको अपने हीतमे चलानेकी उनकी मजबूती कम होती जा रही है ।
ठेका मजदुरोंमे कभी अपनेपनका एहसास नही निर्माण हो सकता ।

इसके विकल्प तथा मुमकिन हल क्या है ?

DEFOI की सदस्य संख्याको बढाना होगा ताकि राष्ट्रीय स्तरकी एक युनियन व्यवस्थापनपर सरकारी यंत्रणाओंके जरीये दबाव ला सके ।

निजी क्षेत्रके डेअरी मजदुरोंको संगठीत किया जाए और उन्हे ठेका प्रथासे उभरनेवाली समस्याओंके बारेमे जानकारी देनी चाहिये जैसेकी नौकरीकी
असुक्षितता , कम मजदुरी, सामाजिक दर्जा आदी और उन्हे DEFOI के छतके
नीचे लाना होगा ।

ठेका मजदूर स्थायी मजदुरों जितने उनके कामके प्रति समर्पित नही होते । नौकरीकी असुरक्षितताकी वजहसे उनक समर्पण मर्यादित तथा अस्थायी रहता है क्युंकी उनकी नौकरी उनकी निवृत्ती तक

रहनेवाली नही होती और किसीभी वक्त उसकी नौकरी किसी अन्य ठेका मजदुर एजन्सीकी वजहसे चली जा सकती है । जहां की स्थायी मजदुर उनकी नौकरीको सिर्फ पेट भरनेके साधन नही समझते, वह उनकी सामाजिक सुरक्षितताभी होती है जिसके होते उन्हे बँकसे कर्जा मिलता है , क्रेडीट कार्ड मिल सकते है, गृह योजना, स्वास्थ्य योजनाका लाभ मिल सकता है और सबसे बडी सामाजिक सुरक्षितता मिलती है और अपना जीवन सुधारनेके लिए तथा निवृत्तीके उपरान्तके भविष्यकेलिए बचत कर सकते है ।

खाद्य उद्योगमे जहां खाद्य उत्पादनोंकी निर्मिती, पॅकींग आदी प्रक्रियामे स्वास्थ्यकारी तरीकोंका अवलंबन होना जरुरी होता है तथा खाद्य उद्योगोंके लिए निश्चित की गयी निर्धारणाओंपर अमल करनेके लिए खाद्य उत्पादनमे इस्तेमाल होनेवाली सामुग्रीकी सही मात्रा निश्चित करनेके लिए खास हुनर जरूरी होता है वहां ठेका मजदूरोंका इस्तेमाल करना उचित नही होगा क्युंकि इससे खाद्य सुरक्षाकी समस्या निर्माण हो सकती है ।

आय यु एफ के आशिया पॅसिफिक इलाकेके विभागीय सचिव बंधु मा वेइ पिन हमे जापानके एक निजी डेअरी का उदाहरण दिया । उस निजी डेअरीमे करीब 6000 कामगार काम करते थे, जिनमे ज्यादातर ठेका मजदूर थे । डेअरी को बंद करना पडा क्युंकि डेअरीके दर्जाहीन तथा घटीया दूध उत्पादनोंकी वजहसे उसने लोगोंका विश्वास खो दिया था । उन्होने प्रतिनिधियोंको यह भी जानकारी दी की **मलेशियाकी डेअरिओंमे कोइ ठेका मजदुर नही है ।** स्वास्थ्य सुरक्षाके मुद्देको समझते हुए वे उनके उचित तथा सही निर्धारणाओंसे कोइ समझौता करना नही चाहते ।

एक खुशखबर यह है की कर्नाटकमे DEFOI की सदस्य संख्या 100 से बढ गयी है ।

BAMUL के श्रीमान मायकेल फर्नांडीसने कुछ नयी सोच प्रतिनिधियोंके सामने रखी -
1) आजकल मातृदिन, पितृदिन, व्हॅलेंटाइन दिन जैसे कई दिन विश्वभरमे मनाये जा रहे है । ठेका मजदुरोंके हालातको देखते हुए हम ‘ठेका मजदूर प्रथा विरोधी दिन’ मनानेके बारेमे सोच सकते है ।
2) आजकल पूंजीपतीभी हमारे जैसा सोचने लगे है यह बात अमरीकाके अध्यक्षकी वहां के पूजीपती जिस आक्रामक तरीकेसे आलोचना कर रहे है उससे जाहीर हो रही है । उन्होने DEFOI को शुभकामनाएं दी ।

मा वेइ पिनने ऑस्ट्रेलियाके डेअरी क्षेत्रमे आये बदलावोंके बारेमे बताया । वहां सहकारी डेअरियां निजी कॉर्पोरेटमे बदल रहे जो वैश्विक विलीनीकरण तथा अक्विजिशनको बढावा दे रहे है ।

न्युझीलंडमे किसान फोंटेरा इस बडी सहकारी डेअरीके ताकदवर शेअर होल्डर्स है । उन्होने फोन्टेराको स्टॉक मार्केटकी सूचीपर लाये जानेसे रोका, ताकि फोन्टेरा मजदूरों तथा किसानोंको भुगतान कर सके ।

न्युझीलंड डेअरी वर्कर्स युनियन आय यु एफसे जुडी हुइ है । वहां सभी मजदुर एकही युनियनमे संगठीत हुए है और उन्हे 50,000 से 70,000 NZD वेतन दिया जाता है । वो पुरी तरहसे संगठीत है इसलिएही यह मुमकिन है । निजी क्षेत्रसे फोंटेराके निजीकरणके लिए दबाव बढ रहा है लेकिन मजदूर तथा किसान इसका साथमे मिलकर विरोध कर रहे है । वहां निजी क्षेत्रकी दो कंपनियां है जो ठेका मजदूरोंसे काम करवा रही है । लेकिन फोंटेरामे कोइ ठेका मजदूर नही है और उसके व्यवस्थापनमे सरकारका कोइ हस्तक्षेपभी नही है ।

भारतमे सुपरमार्केट संस्कृतीकी अभी शुरुवात है, आज यहां कइ सुपरमार्केट्स है । लेकिन भविष्यमे यहांभी दो यां तीनही सुपर मार्केट्स होंगे जो दूधके साथही कइ जरुरी चीजोंकी किमते निश्चित करेंगे । हम भारतके डेअरी कामगारोंके पास अबभी समय है जगनेका तथा इस प्रकारकी स्थितीसे निपटनेके लिए अपनी रणनीती बनानेका ।

इन सब बातोंको सुनकर डॉ वेंकटरमन भावुक हुए और उन्होने प्रतिनिधियोंके सामने इस बातका इजहार किया की किसी जमानेमे वो भी एक ट्रेड युनियन थे ।

भारतके इतने डेअरी कामगार एकसाथ आये हुए देखकर BAMUL के अध्यक्ष सी मंजुनाथको खुशी हुइ क्युं की आजतक कभी ऐसा हुआ नही था।

उत्तरी क्षेत्रकी मिटींग

लुधियानामे 23 जुलाई 2010 को एक सभाका आयोजन किया गया था जिसमे 65 प्रतिनिधी उपस्थित थे। पंजाबके सभी सहकारी डेअरियोंके तथा नेस्ले,पेप्सीको, युनिलिव्हर और जीएसकेके कामगार संगठनोंके प्रतिनिधियोंने इसमे हिस्सा लिया ।

पंजाबमे एक महत्वपूर्ण बात हो रही है वो यह की पंजाबके सभी डेअरी मजदुरोंको छठे वेतन आयोगकी शिफारसोंका लाभ दिया जा रहा है और अलग-अलग युनियन्सके प्रतिनिधियोंने डेअरी व्यवसायकी आम समस्याओंका सामना करनेके लिए एकसाथ आकर एक मंचकी स्थापना की है ।

श्रीमान रजवंत सिंगने नेस्ले एम्प्लॉइज युनियनकी कामयाबीयोंके बारेमे बताते हुए कहा की नेस्लेके इतिहासमे भारतमे पहली बार व्यवस्थापनने 5 अलग युनिट्सकेलिए युनियनके साथ एकही करार किया ।

जीएसके युनियनने किये संघर्षके कारण उन्हे 452 अस्थायी कामगारोंको स्थायी कामगारोंका दर्जा दिलानेमे और मजदुरीमे प्रतिमाह 6500 रुपयोंकी बढत दिलानेमे कामयाबी मिली । इससे अब उनकी सदस्य संख्या तथा ताकदभी बढ गयी है । पहले अस्थायी कामगारोंको 8000 रुपये मिलते थे अब उन्हे

14500 रुपये मिलेंगे। युनियनके महासचिव श्रीमान महेंद्र सिंग तथा उपाध्यक्ष श्रीमान मेवा सिंगने यह जानकारी दी।

पेप्सीको कंपनीका प्रतिनिधीत्व युनियनके अध्यक्ष श्री गगन दीप तथा महासचिव श्रीमान संजीव कुमार कर रहे थे। उन्होने बताया की, हालही मे संग्रुर पेप्सीको मे हुए समझौतेमे गये समझौतेमे दिये गये 2000 रुपयोंके सामने कुल 4700 रुपयोंकी बढत वेतनमे दी गयी है।

एच.यु.एल. का प्रतिनिधीत्व कर रहे थे श्रीमान नसीब राम तथा श्रीमान त्यागी। उन्होने राजपुरा तथा चंदीगढमे चल रहे कार्य की जानकारी दी। सभा मे मंचके कामकाजको किस तरह चलाया जाये इस बारेमे चर्चा हुइ।

पीसीडीएफ के अध्यक्ष श्रीमान सुखदेव सिंग गरीवालने बडे संतोषके साथ बताया की सहकारी डेअरी युनिट्सके सभी 17 युनियन्सने DEFOI का सदस्य बननेका फैसला किया है।

समन्वयक श्रीमान फ्रँकलिन डिसुझाने DEFOI के कार्यकारी समितीके समर्पित नेतृत्वको तथा त्यागकारी नजरीयेको जानकर खुशी जताते हुए शुभकामना की की इसी उत्साह तथा समर्पणसे DEFOI का काम चलता रहे ताकि भविष्यमे सभी मुमकिन उंचाईको छूते हुए DEFOI भारतके कामगार वर्गका आदर्श बने।

हमारी सभाके बाद युनियनके प्रतिनिधियोंने पंजाब डेअरी को-ऑपरेटीव्ह फेडरेशनके व्यवस्थापकीय संचालकसे वार्तालाप किया जिसमे निजीकरणपर हल्की बहस हुइ उन्होने कहा की निजीकरणने डेअरी उद्योगमे स्पर्धा लायी जिसके चलते हम अपने अंदरकी कमीयोंको जानकर उन्हे सुधारने तथा हमारे उत्पादनोंका दर्जा बेहतर बनाने लगे है। सहकारी क्षेत्रकी डेअरियां निजीकरणके आक्रमणकी इस चुनौतीकाभी सामना कर सकेंगी इस बातका उन्होने यहीन जताया। डेअरी कामगारोंकी फेडरेशन बनानेके आय यु एफके प्रयासकी सराहना करते हुए उन्होने DEFOI को शुभकामनाएं दी।

पीसीडीएफ ट्रेड युनियन मंच (उत्तर प्रदेश) संघर्षके पथपर :

उत्तरप्रदेशकी डेअरी युनिट्सके हमारे मजदुर भाई डेअरियोंके बंद किये जानेकी धमकियोंका सामना कर रहे है। ट्रेड युनियन मंचका नेतृत्व पिछले दरवाजेसे निजीकरणको लानेकी सभी कोशीशोंका विरोध करनेके उद्देशको हासील करनेकी तरफ बढ रहा है।

जैसे की आप जानतेही है की बरेली, सहरानपुर, तथा अलीगढ यह तीन डेअरी युनिट्स बंद हो चूके है और बाकी डेअरियोंके बारेमे उत्तरप्रदेश सरकार यां तो उन्हे बंद करनेका सोच रही है यां तो उनका ढांचा बदलकर निजी-सार्वजनिक साजीदारीमे तबदील करनेके यां तो जमीन बेच देनेके बारेमे सोच रही

है। बहुतसे प्लॅंट्समे मजदुरोंको 6 से 26 महिनोंतकके वेतन / मजदुरीका भुगतान नही किया गया है। DEFOI के उपाध्यक्ष श्रीमान आर पी एस चौहानके नेतृत्वमे डेअरी कामगारोंका इसके खिलाफ संघर्ष लंबे अर्सेसे जारी है। एकता तथा सद्-भावनाका प्रदर्शन करनेके लिए कुछ दिन पहले लखनौमे एक रॅलीका आयोजन किया गया था जिसमे कई नेताओंको हिरासतमे लिया गया लेकिन कुछही घंटे बाद उन्हे रीहा करना पडा था क्युं कि उनकी हिरासतकी खबर फैलतेही उत्तरप्रदेशकी सभी 39 डेअरियोंमे कामगार हडताल कर बैठे थे।

इस समय राज्यव्यापी आंदोलनकी शुरुवात करनेके पहले नेतृत्वने बहुत अच्छी तरह इसके प्रचारका काम किया है। मीरट (30-08-10), मुरादाबाद (31-08-10), कानपुर (01-09-10), अलाहाबाद (02-09-10) तथा वाराणसी (03-09-10) आदी जगह 6 स्थानीय सभाएं की गयी है जिनमे जिल्हास्तरके दूध संघोंके कुल 300 प्रतिनिधियोंने हिस्सा लिया था। सभी जगह सभामे शामील प्रतिनिधियोंने अपनी मांगोंके लिए आंदोलन करनेके जाहीरनामेपर हस्ताक्षर किये। लखनौमे 4-9-10 को एक सामाइक सभाका आयोजन किया गया जिसमे सभी 39 डेअरिओंके दूध संघोंके प्रतिनिधियोंने हिस्सा लिया था। पंजाब डेअरी एम्प्लॉइज फेडरेशनके श्रीमान सुखदेव सिंग गरीवाल, हरीयाणा डेअरी एम्प्लॉइज फेडरेशनके श्रीमान बी एस शर्मा तथा उत्तराखंडके प्रतिनिधीभी इस सभामे शामील थे। इन सभी सभाओंमे DEFOI महासचिव तथा आय यु एफके प्रतिनिधीभी उपस्थित थे। लखनौमे उपस्थित प्रतिनिधियोंने अंतिम कार्यक्रम निश्चित किया।

अ)उत्तरप्रदेश सरकारको विस्तारसे खत लिखना।
ब) बंद किये गये युनिट्सको फिरसे शुरु करनेकी, रोके गये वेतनका भुगतान करनेकी, निजीकरणको विरोध करनेकी मांग के लिए 27-9-10 को हर युनिटके गेटपर आधे घंटेतक निदर्शन करना।
क) अंधे व्यवस्थापनका ध्यान आकर्षीत करनेके हेतू सभी इमारतोंके सामने 29-9-10 को अर्धनग्न निदर्शन।
ड) 4-10-10 को एक दिनका हडताल।
इ) 18 अक्तुबर 2010 से अनिश्चितकालीन हडताल (इस कार्यक्रमको चुनाव प्रक्रियाके कारन जारी की गयी आचारसंहिता की वजहसे स्थगित किया गया।)

सभी कृती कार्यक्रम निश्चित योजना तथा पुरी तैयारीसे किये जानेकी वजहसे पुरी तरह कामयाब रहे। सभी युनिट्से एकता तथा सद्-भावना दर्शाते हुए सौ प्रतिशत सहभाग इस कार्यक्रममे था।

मै आय यु एफ तथा DEFOI की तरफसे आपसे गुजारीश करता हूं की आप इस बातको आपके सभी सदस्योंको द्वार सभाओंमे बताये तथा DEFOI की तरफसे पीसीडीएफ ट्रेड युनियन मंचके प्रति सद-भावनाका ठराव पारीत कर ले।

सुर्खियां :

माझा ब्रँडके दूधजन्य शीतपेयके जरीये कोकाकोला शीतपेयने दूध उत्पादनोंके क्षेत्रमे प्रवेश किया है जो डेअरी उद्योगमे बहुराष्ट्रीय कंपनियोंके आगमनका निदर्शक है ।
किसानोंको उपर उठानेके लिए विश्वके प्रथम क्रमांकके डीपार्टमेंटल स्टोअर वॉल मार्ट ने भारतीका साथ किया एकसाथ आनेका फैसला ।
आय यु एफ एशिया पॅसिफिक के खाद्य तथा शीतपेय विभागकी सभा ;

6 तथा 7 अगस्त 2010 को आय यु एफ के खाद्य तथा शीतपेय विभागकी सभा कौलालंपुरमे संपन्न हुइ जिसमे DEFOI की आय यु एफ से जुडे सभीके साथ उपाध्यक्ष श्रीमान आर पी एस चौहानद्वारा पहचान करायी गयी । सभामे पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, मलेशिया, जापान, हॉंगकॉंग, नॉर्वे, आदी देशोंके प्रतिनिधी उपस्थित थे ।